साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया
YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है संपर्क करें...
संपर्क करे- 9425156055
वर्ष-10 अंक-09 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 10 अप्रैल 2026 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ-08 मूल्य 2 रूपये

मेहर क्या है, अगर मुस्लिम महिला को मेहर ना मिले तो क्या वह तलाक ले सकती है

मेहर शब्द का अर्थ होता है उपहार, स्त्रीधन या दहेज। जब कोई मुस्लिम पुरूष किसी मुस्लिम महिला से विवाह करता है तो वह मुस्लिम महिला को जिससे शादी कर रहा है, उसे मेहर के रूप में धनराशि, कोई भूमि, कोई मकान अनाज, वस्तु आदि देता है। What is Mehr in Muslim marriage, what is the meaning of Mehr

मेहर देने के के बाद उस पुरूष का स्त्री पर पूरा अधिकार हो जाता है। स्त्री

पुरूष से तलाक नहीं ले सकती है। मुस्लिम विधि में महिला और पुरुष के बीच शारीरिक संबंध को महत्व दिया जाता है और मेहर के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि शौहर अपनी बेगम से शारीरिक संबंध बनाने का अधिकार रखता है। इस प्रकार मुस्लिम विधि के अंतर्गत हुआ निकाह एक संविदा होता है। अब प्रश्न यह उपस्थित होता है कि निकाह के बाद यदि शौहर अपनी बेगम को निकाह के समय दिए गए वचन के अनुसार मेहर ना दे तो क्या यह बात तलाक का कारण हो सकती है। पढ़िए इस प्रकार के विवाद का एक महत्वपूर्ण जजमेंट

1. अब्दुल कादिर बनाम मुसम्मात सलीमा

मुस्लिम स्त्री अगर किसी मुस्लिम पुरूष से संविदा अर्थात प्रस्ताव (एजाब),स्वीकृति (कबूल) और मेहर की प्रक्रिया के अनुसार निकाह कर लेती है तो वह अपने पति से सम्पूर्ण जीवन काल में कभी तलाक नहीं ले सकती है लेकिन अब्दुल कादिर बनाम मुसलमान सलीमा मामले में न्यायधीश महमूद ने मुस्लिम विवाह ओर मेहर की तुलना एक विक्रय संविदा से की है, इस विक्रय संविदा में मेहर को शारीरिक संबंध के प्रतिफल-स्वरूप माना जा सकता है। अगर पुरुष स्त्री को प्रतिफ़ल स्वरूप मेहर नहीं देता है तो निकाह यानी संविदा शून्य मानी जा सकती है लेकिन अगर मेहर नहीं दिया एवं स्त्री से शारीरिक संबंध भी नहीं बनाए तो विवाह संविदा शून्य नहीं होगी।

लेखक एडवोकेट बीआर अहिरवार नर्मदापुरम 9827737665

कलेक्टर कार्यालय के सामने किया गया जमकर विरोध प्रदर्शन, मुख्यमंत्री मुर्दाबाद के लगे नारे, किसानों की विभिन्न समस्याओं के संबंध सौंपा ज्ञापन

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गुड्डू चौहान के नेतृत्व में दिनांक 9 अप्रैल को कलेक्टर कार्यालय अनूपपुर के बाहर किसानों के समर्थन में किसानों की समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया और किसानों की समस्याओं से संबंधित, जिला कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। सर्वप्रथम कांग्रेसजन जिला पंचायत कार्यालय के सामने एकत्रित हुए और जिला पंचायत कार्यालय से कलेक्टर कार्यालय तक हाथों बैनर लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए, पैदल मार्च निकालकर कलेक्टर कार्यालय के सामने पहुंचे, जहां पर कांग्रेसियों ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और भाजपा सरकार के विरोध में नारेबाजी करते हुए जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेसियों के कलेक्टर कार्यालय की ओर आगे बढ़ने पर कलेक्ट्रेट गेट के सामने तैनात पुलिस बल ने उन्हें रोक दिया गया और तब जिलाध्यक्ष गुड्डू चौहान ने किसानों की समस्या से संबंधित कलेक्टर महोदय के नाम एक ज्ञापन मौके पर उपस्थित अधिकारी को सौंपा गया। ज्ञापन में उल्लेख कर बताया गया प्रदेश की सत्तारूढ भाजपा सरकार की किसान विरोधी नीतियों के कारण आज अन्न दाता किसान काफी परेशानियों से जूझ रहा है। किसानों की गेहू की उपार्जन की तारीखे बार बार बढ़ाई जा रही है पहले 23 मार्च, फिर 1 अप्रेल, 10 अप्रेल, 15 अप्रेल की गई है जिससे किसानों में भारी

आक्रोश निर्मित हो गया है। प्रदेश में किसानों को गेहूं उपार्जन का इंतजार खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। प्रदेश सरकार ने सहकारी संस्थाओं से किसानों का ऋण वसूलने की अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित की थी सरकार के कुप्रबंधन के कारण लगभग 50 प्रतिशत किसान डिफाल्टर हो गए है तथा किसानों को कृषि उप मडी मे अपनी उपज 2000 से 2200 रूपये के ओने पौने दामों में मजबूरी में बेचने को विवश होना पड़ रहा है, जबकि पडोसी राज्य राजस्थान में 16 मार्च से गेहू उपार्जन किया जा रहा है। प्रमुख मांग रखते हुए लेख किया कि गेहूं सहित सभी रवि फसल उपार्जन के लिए लंबित पंजीयन कार्यों को अबिलंब पंजीकृत कर किसानों के उपार्जन खरीदी सुनिश्चित किया जाए। कृषि पंप कनेक्शन पर स्मार्ट मीटर लगाना बंद किया जाए। खरीफ एवं रवि फसलों के अलावा जायज फसल एवं सब्जी उत्पादक किसानों को रासायनिक खाद की आपूर्ति सुनिश्चित कराया जाए। किसानों को कृषि कार्यों के लिए पर्याप्त बिजली उपलब्धता सुनिश्चित कराया जाए।आगामी खरीफ फसलों के लिए पर्याप्त रासायनिक खाद एवं बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित कराया जाए। अंत में उल्लेख किया गया कि किसानों के हित में उक्त समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करें, अन्यथा किसान हित में जिला कांग्रेस अनूपपुर उग्र आंदोलन करने के लिए विवश होगा, जिसकी सम्पूर्ण जवाबदेही जिला प्रशासन की होगी। इस दौरान जिलाध्यक्ष गुड्डू चौहान के साथ विधायक पुष्पराजगढ़ फुंदेलाल सिंह मार्को, पूर्व विधायक सुनील सराफ, पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रमेश सिंह, वरिष्ठ कांग्रेस नेता जे पी श्रीवास्तव, संतोष पाण्डेय, हरीश मोटवानी, सत्येंद्र दुबे, विनय शुक्ला, संतोष यादव, गणेश शर्मा, निर्भय नारायण राव, विधानसभा, ब्लॉक, मंडलम, सेक्टर के पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

MPSCPP Act - निर्माण कार्य में गलत बिल का पेमेंट करने वाले अधिकारी की शिकायत किस कानून के तहत करें, पढ़िए

जनता से टैक्स लगाकर वसूले गए धन (जिसे सरकारी कोष कहा जाता है) के दुरुपयोग के मामले मध्य प्रदेश के हर गांव में मिल जाते हैं। इनकी शिकायतें भी होती है परंतु शिकायत नियमानुसार नहीं होती इसलिए कार्यवाही भी नियम अनुसार नहीं होती। यहां पढ़िए, गलत बिल पेमेंट करने, फर्जी मस्टर रोल बनाने और इसी प्रकार के कई आर्थिक अपराधों के लिए जिम्मेदार सरकारी अधिकारी के खिलाफ इस कानून के तहत शिकायत की जानी चाहिए और शिकायत में किस धारा के तहत अधिकारी को दंडित करने का निवेदन करना चाहिए।

मध्यप्रदेश विनिर्दिष्ट भ्रष्ट आचरण निवारण अधिनियम,1982 की धारा

6 की परिभाषा–

जो कोई व्यक्ति किसी निर्माण कार्य का भारसाधक अधिकारी (देख-रेख अधिकारी, सुपरवाइजर, दरोगा आदि) होते हुए जानबूझकर -

* झूठा एवं बनावटी मस्टर रोल बनाएगा या कोई बनावटी बिल बनवाकर भुगतान करेगा।
* झूठी या बनावटी माप पुस्तक बनाएगा।
* झूठी या बनावटी गलत जानकारी देकर रेत, गिट्टी, मिट्टी आदि का ज्यादा भुगतान करेगा या स्वंय के फायदे के लिए उच्च दर पर भुगतान करेगा या झूठा बनावटी भुगतान करवाएगा।
* जानबूझकर कर अत्यधिक अनुचित लाभ के लिए नियम, आदेशों का उल्लंघन कर ओवर पेमेन्ट करेगा।

÷उपर्युक्त कृत्य करने वाला व्यक्ति अधिनियम की धारा 06 के अंतर्गत दोषी होगा।

मध्यप्रदेश विनिर्दिष्ट भ्रष्ट आचरण निवारण अधिनियम,1982 के अंतर्गत दण्ड का प्रावधान–

यह अपराध संज्ञेय एवं जमानतीय अपराध होते हैं, पुलिस अधिकारी, आरोपी को बिना वारण्ट के गिरफ्तार करने की शक्ति रखता है?अधिनियम की धारा 39 (1) के अनुसार?, लेकिन थाने में एफआईआर करवाने से पूर्व राज्य सरकार या प्राधिकृत अधिकारी की मंजूरी (अनुमति) होना आवश्यक है। इन अपराधों की सुनवाई का अधिकार सत्र न्यायालय को हैं। सजा-इस अपराध के लिए अधिकतम तीन वर्ष की कारावास या जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जा सकता है।

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665*

नगर परिषद में महिला इंजीनियर को लोकायुक्त ने 10 हजार की रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ शहडोल । जिले में रीवा लोकायुक्त की टीम ने देवलौंद क्षेत्र के नगर परिषद खाड़ में पदस्थ महिला इंजीनियर सुधा वर्मा को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया। कार्रवाई के बाद सरकारी महकमे में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार रीवा की जेके कंस्ट्रक्शन कंपनी नगर परिषद खाड़ क्षेत्र में नाली, सड़क, स्टेडियम सहित कई निर्माण कार्य कर रही थी। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद कंपनी द्वारा बिल भुगतान की प्रक्रिया शुरू की गई। आरोप है कि बिल पास करने के एवज में नगर परिषद की महिला इंजीनियर सुधा वर्मा ने ठेकेदार से 20 हजार की रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता जेके अग्रवाल ने इसकी शिकायत रीवा लोकायुक्त से की। शिकायत की जांच के बाद लोकायुक्त टीम ने योजना बनाकर नगर परिषद कार्यालय में जाल बिछाया। तय योजना के तहत जैसे ही महिला इंजीनियर ने 10 हजार रुपये की रिश्वत ली, लोकायुक्त की टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे रंगे हाथ दबोच लिया। नगर परिषद कार्यालय में अचानक लोकायुक्त की टीम के पहुंचने से पूरे कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कार्रवाई के बाद टीम महिला इंजीनियर को पूछताछ और आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए बाणसागर स्थित जल संसाधन विभाग के रेस्ट हाउस ले गई, जहां देर शाम तक कार्रवाई चलती रही।

पंचशील छात्रावास के सामने SFI का प्रदर्शन, छात्राओं की समस्याओं को लेकर प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

भोपाल।

स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले आज पंचशील नगर स्थित छात्रावास के मुख्य गेट के सामने साथियों ने व्यापक एकता के साथ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के पश्चात संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने जिला आयुक्त (कमिश्नर) को ज्ञापन सौंपा। इसके उपरांत प्रतिनिधि मंडल भोपाल स्थित कलेक्टर कार्यालय पहुंचा, जहां कलेक्टर महोदय से विस्तृत चर्चा कर उन्हें भी ज्ञापन प्रस्तुत किया तथा छात्रावास में व्याप्त समस्याओं से अवगत कराया। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि छात्रावास में रह रही छात्राएं लंबे समय से मूलभूत सुविधाओं, सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रही हैं। छात्रावास में पेयजल, बिजली, स्वच्छता एवं बिस्तर जैसी सुविधाओं का अभाव है, वहीं भोजन की गुणवत्ता अत्यंत खराब है तथा समय पर पर्याप्त भोजन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। संगठन ने आरोप लगाया कि वार्डन द्वारा छात्राओं पर मानसिक दबाव बनाया जाता है, जिससे वे अपनी समस्याएं खुलकर नहीं रख पातीं। शिकायत करने पर समाधान नहीं मिलता एवं कई बार अभद्र व्यवहार किया जाता है। निरीक्षण से पहले सूचना मिलने के कारण वास्तविक स्थिति छिपा दी जाती है।

इसके अलावा, छात्राओं के स्वास्थ्य, मासिक धर्म स्वच्छता एवं आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं का अभाव है। छात्रावास में लाइब्रेरी एवं सार्वजनिक कार्यालय की सुविधा नहीं है तथा महिला कर्मचारियों के स्थान पर पुरुषों की उपस्थिति से असुरक्षा की भावना बनी रहती है। स्न्नद्ध ने मांग की है कि छात्रावास में सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण वातावरण सुनिश्चित किया जाए, सभी मूलभूत सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराई जाएं तथा गुणवत्तापूर्ण एवं पोषणयुक्त भोजन दिया जाए। स्न्नद्ध ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्यवाही नहीं की गई, तो संगठन द्वारा व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

जारीकर्ता
स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया
जिला इकाई, भोपाल मध्यप्रदेश

'बेतवा'नदी के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए उच्च स्तरीय बैठक प्रदूषण मुक्ति,जल संवर्धन पर गहन विमर्श

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

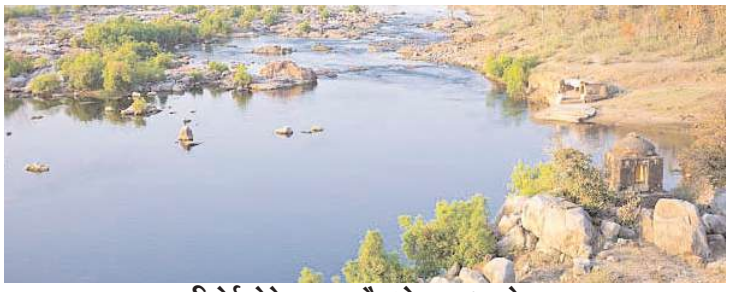

बेतवा नदी के पावन जल को स्वच्छ, निर्मल और अविरल बनाए रखने के पुनीत उद्देश्य से गुरुवार को पालिका भवन में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य ध्येय नदी के पारिस्थितिक तंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए राज्य और केंद्र सरकार के प्रयासों को सूत्रबद्ध करना था।नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त संकेत भोंडवे ने कहा कि बेतवा का पुनर्जीवन केवल एक प्रशासनिक लक्ष्य नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है। उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि नदी के संरक्षण के लिये एक समेकित कार्ययोजना तैयार की जाए, जिसमें जल संसाधन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वन और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की भूमिका स्पष्ट और समन्वित हो। आयुक्त ने इस बात पर विशेष बल दिया कि योजनाओं का क्रियान्वयन केवल कागजों तक सीमित न रहकर धरातल पर दिखाई देना चाहिए, जिसके लिए वे स्वयं समय-समय पर कार्यों की समीक्षा करेंगे।बैठक जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के सहयोग से आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के कार्यकारी निदेशक (परियोजना) बृजेन्द्र स्वरूप विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने नदी संरक्षण के विविध तकनीकी आयामों और वैश्विक मानकों पर प्रकाश डालते हुए केंद्र की ओर से हर संभव तकनीकी और वित्तीय सहयोग का आश्वासन दिया। बेतवा नदी में मिल रहे अपशिष्टों को रोकने के लिए आधुनिक सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (स्न्नक्क) की स्थापना, जल भराव क्षेत्रों का संरक्षण और तटवर्ती क्षेत्रों में वृक्षारोपण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चिंतन-मनन किया गया। प्रदूषण नियंत्रण के मानकों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अपशिष्ट प्रबंधन के लिए नगरीय निकायों को और अधिक उत्तरदायी बनाया जाएगा। जल संसाधन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वन विभाग और मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संबंधित नगरीय निकायों के प्रतिनिधियों उपस्थित रहे।

जेपी अस्पताल में शुरू हुई वीडियो ब्रोंकोस्कॉपी टीबी, लंग कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां की हो सकेगी उच्च स्तरीय जांच

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

जयप्रकाश जिला चिकित्सालय में वीडियो ब्रोंकोस्कॉपी जांच सुविधा शुरू हुई है। जेपी अस्पताल यह जांच सुविधा देने वाला प्रदेश का पहला जिला अस्पताल है। यहां पदस्थ पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. अंकित तोमर द्वारा ये जांच की गई। ये जांच बेहद मंहगी है। निजी अस्पतालों में इस पर 10 से 15 हजार का खर्चा आता है। वीडियो ब्रोंकोस्कॉपी एक एडवांस प्रक्रिया है जिसमें एक पतली फ्लेक्सिबल ट्यूब (कैमरा के साथ) को नाक या मुँह के रास्ते लंग (श्वसन नली) में डाला जाता है, ताकि अंदरूनी तौर पर सीधे दृष्यीकरण किया जा सके। सिविल सर्जन डॉ संजय जैन ने बताया कि पहले ये सुविधा केवल मेडिकल कॉलेजों तक सीमित थी। सरकार द्वारा जिला अस्पतालों में इस सेवा का विस्तार किया जा रहा है, जिसके क्रम में भोपाल के जिला अस्पताल में ये यूनिट स्थपित की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि ये जांच ट्यूबरक्लोसिस, लंग कैंसर, बार-बार होने वाले इन्फेक्शन, निमोनिया, अनेक्सप्लेंड कफ या खून आना जैसी समस्याओं में बेहद उपयोगी है। इसके साथ ही बायप्सी के सैंपल लेना, टिश्यू बायप्सी लेकर इन्फेक्शन या कैंसर कन्फर्म करना जैसी सेवाएं भी वीडियो ब्रोंकोस्कॉपी से मिल सकेंगी।

एनएचएम एवं एम्स के बीच हुआ एमओयू स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त एवं वैज्ञानिक आधार पर करेंगे विकसित करने

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर इस वर्ष की थीम ÷टुगेदर फॉर हेल्थ÷स्टैंड विथ साइंस÷ के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त एवं वैज्ञानिक आधार पर विकसित करने की दिशा में कुशाभाऊ ठाकरे सभागार, भोपाल में अपर मुख्य सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा कार्यकारी निदेशक, एम्स भोपाल प्रो.डॉ माधवानंद कर के मध्य एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू के अंतर्गत एम्स भोपाल के विषय-विशेषज्ञों द्वारा प्रदेश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, गैर-संचारी रोग (एनसीडी), सिकल सेल, रेयर डिजीज, कैंसर एवं एनीमिया जैसे प्रमुख स्वास्थ्य क्षेत्रों में तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाएगा। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में उपचार हेतु प्रोटोकॉल एवं स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार किए जाएंगे, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा। साथ ही, इस समझौते के माध्यम से अत्याधुनिक तृतीयक (टर्शरी) चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता, चिकित्सा प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण गतिविधियों को भी एम्स भोपाल के सहयोग से सुदृढ़ किया जाएगा। इस अवसर पर स्वास्थ्य आयुक्त धनराजू एस, मिशन संचालक (एनएचएम) डॉ सलोनी सिडाना सहित, अतिरिक्त मिशन संचालक, इंदौर, ग्वालियर एवं जबलपुर संभाग के समस्त मेडिकल कॉलेजों के डीन, क्षेत्रीय संचालक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ), सिविल सर्जन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला लेखा प्रबंधक एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नमामि गंगे मिशन में चंबल के कछुए बने गंगा के प्राकृतिक सफाई में मददगार

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार जंगलों और जल स्त्रोतों को समृद्ध बनाकर वन्य और जलीय जीवों के संरक्षण के लिये सतत प्रयास कर रही है। विशेष रूप से साफ पानी वाली नदियों में कछुओं की विभिन्न प्रजातियों के संरक्षण-संवर्धन से हमारा जलीय पारिस्थिकी तंत्र सशक्त और संतुलित बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रकृति और वन्यजीवों की सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है। कछुओं का विमुक्तिकरण और चीता पुनर्वास की दिशा में बढ़ते कदम मध्यप्रदेश को वन्य-जीव पर्यटन और संरक्षण के वैश्विक मानचित्र पर और अधिक प्रभावी रूप से स्थापित करेंगे। उन्होंने पारिस्थितिकी तंत्र में कछुओं की महत्ता पर जोर देते हुए जल संरचनाओं के संरक्षण का आहवान किया। नमामि गंगे मिशन के अंतर्गत चंबल नदी में संरक्षित दुर्लभ प्रजातियों के कछुए अब गंगा नदी की स्वच्छता और पारिस्थितिकी पुनर्जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। प्राकृतिक रूप से जैविक कचरे और सड़े-गले अवशेषों को

खाने की क्षमता के कारण इन्हें नदी के 'प्राकृतिक सफाई-योद्धा' के रूप में उपयोग किया जा रहा है। परियोजना के शुभारंभ के बाद से ही चंबल में संरक्षित कछुओं को गंगा में छोड़ने का प्रयोग शुरू किया गया था। इसी क्रम में 26 अप्रैल 2025 को चंबल के संरक्षण केंद्रों से 20 दुर्लभ 'रेड क्राउन रूफ्ड टर्टल' (बटागुर कछुये) उत्तर प्रदेश के हैदरपुर वेटलैंड और गंगा की मुख्य धारा में छोड़े गये। राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य क्षेत्र में पाए जाने वाले बटागुर और बटागुर डोंगोका जैसे दुर्लभ कछुए गंगा की सफाई और जैव विविधता को पुनर्जीवित करने में सहायक माने जा रहे हैं। इन कछुओं को गंगा नदी के विभिन्न हिस्सों में छोड़ा जा रहा है। नमामि गंगे मिशन के अंतर्गत चंबल के ये दुर्लभ कछुए अब गंगा के पुनर्जीवन अभियान के 'जलीय योद्धा' बनकर उभरे हैं। अपनी प्राकृतिक सफाई क्षमता के माध्यम से ये न केवल नदी की स्वच्छता में योगदान दे रहे हैं, बल्कि जलीय जैव विविधता को पुनर्जीवित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार गंगा नदी के कई शहरी तटों पर बढ़ते प्रदूषण के कारण जैव विविधता संकट में है। ऐसे में कछुए जैसे जलीय जीव नदी की प्राकृतिक सफाई में अहम भूमिका निभाते हैं। मांसाहारी प्रकृति- ये कछुए नदी में मौजूद सड़े-गले जैविक पदार्थ और मृत जीवों को खाकर पानी को प्रदूषित होने से बचाते हैं। इनके कारण नदी के जलीय तंत्र में संतुलन बना रहता है, जिससे पानी की गुणवत्ता बेहतर होती है। ये कछुए ऐसे जैविक अवशेषों को भी खत्म कर देते हैं जिन्हें मशीनों से साफ करना कठिन होता है। गंगा में छोड़े गए कछुओं का जल गुणवत्ता पर सकारात्मक प्रभाव देखा गया है। जल शक्ति मंत्रालय और प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के आकलन के अनुसार कई स्थानों पर जल गुणवत्ता में सुधार दर्ज किया गया है। बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड (BOD) और फीकल कोलीफॉर्म (FC) स्तर में कमी देखी गई है।वाराणसी के अस्सी घाट पर FC स्तर 2014 में 2500 MPN/100द्वरु से घटकर 2025 में 790 MPN/100द्वरुरह गया। पटना के गांधी घाट पर यह स्तर 5400 से घटकर 2200 MPN/100द्वरुदर्ज किया गया। गंगा के अधिकांश हिस्सों में डिजॉल्व्ड ऑक्सीजन (DO) स्तर अब 5.0 mg/l से अधिक है, जो जलीय जीवन के लिए अनुकूल माना जाता है हैदरपुर वेटलैंड में कछुओं की 50 प्रतिशत से अधिक जीवित रहने की दर को भी नदी के स्वास्थ्य में सुधार का सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। चंबल नदी में कुल नौ दुर्लभ प्रजातियों के कछुए पाए जाते हैं। इनमें बटागुर कछुआ प्रमुख है, जो मीठे पानी में रहने वाला सर्वहारी जीव है। यह नदी में बहते वनस्पति और मृत जीवों को खाकर जल को स्वच्छ बनाए रखने में मदद करता है। इसी प्रजाति का बटागुर डोंगोका 'नदी का स्वीपर' कहलाता है। इसके अलावा साल कछुआ, धमोक, चौड़, मोरपंखी, कटहेवा, पचेड़ा और इंडियन स्टार कछुआ जैसी दुर्लभ प्रजातियां भी चंबल में हैं।

बिहरेश्वर शिव धाम में उमड़ेगा आस्था का सैलाबः 11 कुण्डीय विष्णु महायज्ञ और श्रीमद् भागवत कथा 16 मई से

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

शहडोल (ब्यूरो)ः जिले के जयसिंहनगर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत दरैन स्थित ऐतिहासिक बीहर धार मंदिर बिहरेश्वर शिव धाम के प्रांगण में एक विशाल धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन होने जा रहा है। आगामी 16 मई 2026 से यहाँ 11 कुण्डीय श्री विष्णु महायज्ञ और श्रीमद् भागवत कथा की अमृत वर्षा प्रारंभ होगी, जिसे लेकर क्षेत्र के श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

प्रसिद्ध संतों का होगा समागम

इस भव्य आयोजन की सबसे खास बात देश के प्रख्यात संतों की गरिमामयी उपस्थिति होगी। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में बागेश्वर धाम सरकार श्री धीरेंद्र शास्त्री जी महाराज, विश्व यज्ञ सम्राट श्री करुणा शंकर जी महाराज और गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री अवध जी महाराज जैसे महान तपस्वी शामिल होंगे।

साक्षी किशोरी जी के मुखारविंद से होगी कथाः महायज्ञ के साथ-साथ प्रतिदिन दोपहर 2ः00 बजे से शाम 5ः00 बजे तक सुश्री साक्षी जी किशोरी जी द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का वाचन किया जाएगा। आयोजन समिति ने बताया कि जयसिंहनगर क्षेत्र के इतिहास में यह पहला अवसर है, जब इतने बड़े स्तर पर विद्वान संतों और तपस्वियों का एक साथ आगमन हो रहा है।

क्षेत्रवासियों से अपीलः आयोजनकर्ताओं और स्थानीय ग्रामीणों ने अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालु इस दिव्य आयोजन का हिस्सा बनें और संतों के दर्शन व प्रवचन का लाभ उठाकर अपने जीवन को धन्य करें। यज्ञशाला और पंडाल की तैयारियाँ जोर-शोर से शुरू कर दी गई हैं।

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो (NHRCCB) द्वारा स्वास्थ्य एवं मानवाधिकार जागरूकता हेतु कार्यक्रम आयोजित

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

देवरी। आज विश्व स्वास्थ्य दिवस के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री डॉ. रणधीर कुमार जी के निर्देशन में एवं मध्य प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष माननीय श्री अभिनव सक्सेना जी के मार्गदर्शन में, ब्लॉक उपाध्यक्ष सुमित शर्मा द्वारा मध्य प्रदेश के रायसेन जिले की देवरी तहसील के वार्ड नं 13 बल्हारपुर आंगनवाड़ी केंद्र में एक गरिमामय एवं उद्देश्यपूर्ण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसने सकारात्मक ऊर्जा एवं जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश दिया। इस अवसर पर स्वास्थ्य जागरूकता, पोषण, स्वच्छता तथा मानव अधिकारों से संबंधित विषयों पर विस्तृत एवं सारगर्भित जानकारी उपस्थित जनसमूह को प्रदान की गई। इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य से संबंधित एवं मानव अधिकारों से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा एवं जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की गईं, जिससे उपस्थित नागरिकों में जागरूकता एवं सहभागिता को सुदृढ़ करने का प्रयास किया गया। इस आयोजन में बल्हारपुर आंगनवाड़ी केंद्र की कार्यकर्ता श्रीमती रोशनी शर्मा सहित स्थानीय नागरिकों की सक्रिय एवं सराहनीय उपस्थिति रही। सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया। अंत में आयोजकों एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो के प्रति आभार व्यक्त किया गया, जिनके मार्गदर्शन एवं प्रयासों से यह कार्यक्रम प्रभावी एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। यह आयोजन समाज में स्वास्थ्य जागरूकता एवं मानव अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

NHRCCB के ब्लॉक उपाध्यक्ष सुमित शर्मा ने कहा–

÷विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम समाज को स्वास्थ्य एवं अधिकारों के प्रति सजग बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार, स्वच्छता एवं योग-व्यायाम को अपनाकर हम कई बीमारियों से बच सकते हैं। साथ ही, मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना, साफ-सफाई बनाए रखना और समय-समय पर टीकाकरण कराना अत्यंत आवश्यक है।

एक स्वस्थ समाज तभी संभव है जब हर व्यक्ति अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और कर्तव्यों के प्रति जिम्मेदार हो।

आइए, हम सब मिलकर एक स्वस्थ, सुरक्षित एवं जागरूक समाज के निर्माण में अपना योगदान दें।

शहडोल में नीला सैलाबः अंबेडकर जयंती पर ASP और भीम आर्मी ने भरी चुनावी हुंकार, युवाओं को सत्ता में हिस्सेदारी का संकल्प

राजू राय - संवाददाता

शहडोल। 14 अप्रैल 2026 को जिला मुख्यालय सहित शहडोल के कोने-कोने में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 135वीं जयंती अभूतपूर्व उत्साह के साथ मनाई गई। लेकिन इस वर्ष यह आयोजन केवल श्रद्धा सुमन अर्पित करने तक सीमित नहीं रहा; आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और भीम आर्मी भारत एकता मिशन ने इसे एक राजनीतिक संकल्प दिवस के रूप में मनाते हुए आगामी चुनावों के लिए स्पष्ट बिगुल फूंक दिया है।

जयंती समारोह बना सत्ता परिवर्तन का मंच

भीम आर्मी के जिला संयोजक राजेश कुशवाहा और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के जिला पदाधिकारी

राजेश कुशवाहा
जिला सयोजक शहडोल
(भीम आर्मी एकता मिशन)

कैलाश कुमार अहिरवार
आजाद समाज पार्टी
(कांशीराम) शहडोल

कैलाश कुमार अहिरवार के नेतृत्व में आयोजित इस भव्य समारोह में हजारों की संख्या में युवाओं ने शिरकत की। डॉ. अंबेडकर के तैलचित्र पर माल्यार्पण के बाद आयोजित सभा में वक्ताओं ने वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर कड़ा प्रहार किया।

युवाओं के लिए चुनावी द्वार खोलेगी, स्क कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैलाश कुमार अहिरवार ने आगामी चुनावों को लेकर पार्टी की रणनीति साफ की। उन्होंने घोषणा की–

> ÷बाबा साहेब का सपना था कि शोषित और वंचित समाज खुद शासन करे। अब समय आ गया है कि शहडोल का युवा केवल रैलियों में भीड़ न बने, बल्कि खुद नेतृत्व संभाले। आजाद समाज पार्टी आगामी चुनावों में पूरे जिले की सभी सीटों पर मजबूती से चुनाव लड़ेगी और अपने संघर्षशील युवाओं को टिकट देकर उन्हें राजनीति में अपना भविष्य बनाने का मौका देगी।÷

भीम आर्मी का घर-घर अभियान

जिला संयोजक राजेश कुशवाहा ने कहा कि जयंती के अवसर पर उमड़ा यह जनसैलाब आने वाले बड़े बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ÷भीम आर्मी का एक-एक कार्यकर्ता अब गांव-गांव जाकर बाबा साहेब के %शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो% के संदेश के साथ-साथ युवाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने का काम करेगा।÷

प्रमुख मुद्दे जो छाए रहे

चुनावी आगाज: ASP अब शहडोल में तीसरे विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि मुख्य राजनीतिक शक्ति के रूप में चुनाव लड़ेगी।

युवा विजनः शिक्षित और स्थानीय युवाओं को सदन (Assembly/Local bodies) में भेजने की प्राथमिकता।

प्रेरणा सूत्र– इस वर्ष की जयंती को युवाओं के लिए वैचारिक और राजनीतिक जागृति का आधार बनाया गया।

शहडोल जिले के विभिन्न क्षेत्रों–बुढ़ार, जयसिंहनगर, ब्यौहारी और गोहपारू–से आए कार्यकर्ताओं के जोश ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आगामी चुनाव अब द्विपक्षीय नहीं, बल्कि एक त्रिकोणीय और कड़े संघर्ष वाले होंगे। इस सफल आयोजन के बाद से ही जिले की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं।

ब्यौहारी में डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 135वीं पखवाड़ा जयंती पर भव्य रैली एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम 15 अप्रैल को

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

ब्यौहारी (जिला शहडोल)। भारतीय संविधान के शिल्पकार एवं भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 135वीं पखवाड़ा जयंती के पावन अवसर पर 15 अप्रैल 2026 को ब्यौहारी क्षेत्र में भव्य रैली एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन को लेकर क्षेत्र में व्यापक उत्साह देखा जा रहा है।

आयोजकों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10ः00 बजे सरदार वल्लभभाई पटेल चौक, ब्यौहारी से भव्य शोभा यात्रा के साथ होगी, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पपरेड़ी पहुंचेगी। शोभा यात्रा में बाबा साहेब के जयघोष, झांकियां, बैंड-बाजे एवं समाज के हजारों लोग शामिल होंगे।

इसके पश्चात पपरेड़ी में दोपहर 1ः00 बजे से शाम 7ः00 बजे तक जयंती समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में समाज के प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा बाबा साहेब के जीवन, संघर्ष, शिक्षा, समानता एवं संविधान निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला जाएगा तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एडवोकेट हरि कुमार मांझी उपस्थित रहेंगे तथा कार्यक्रम का संचालक सम्राट सनित बौद्ध द्वारा किया जाएगा।

मुख्य आयोजक एडवोकेट राजेंद्र प्रसाद साकेत एवं बृजकिशोर पटेल ने क्षेत्र के समस्त समाज बंधुओं, युवाओं एवं नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। यह आयोजन भीम आर्मी, आजाद समाज पार्टी एवं समस्त क्षेत्रवासियों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है।

शर्मनाकः प्यासी जनता की 'हाय' और अध्यक्ष की 'कमाई' आपदा में अवसर तलाश रहा नगर परिषद का मुखिया!

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

नगर में त्राहि-त्राहि– 10 दिनों तक बूंद-बूंद को तरसे लोग, अध्यक्ष ने वार्डों में जाने के बजाय पानी बेचने को बनाया व्यापार

राजनीति जब संवेदनहीनता की पराकाष्ठा पार कर जाए, तो वह %जनसेवा% नहीं बल्कि %जन-शोषण% बन जाती है। पिछले 10 दिनों से शहर की जनता पानी की एक-एक बूंद के लिए तड़प रही थी, लेकिन नगर परिषद अध्यक्ष की बेशर्मी का आलम यह रहा कि उन्होंने जनता का हाल जानना तो दूर, संकट की इस घड़ी को कमाई का जरिया बना लिया। कॉलरी की पाइपलाइन सुधरी, पर अध्यक्ष की नीयत नहीं

कॉलरी की मुख्य पाइपलाइन फटने से पिछले 10 दिनों से शहर की जल आपूर्ति ठप थी। लोग प्यास बुझाने के लिए दर-दर भटक रहे थे। 10 दिन बाद जब पाइपलाइन सुधरी, तब जाकर जनता की जान में जान आई। लेकिन इन 10 दिनों के %वनवास% ने अध्यक्ष के असली चेहरे को बेनकाब कर दिया है।

आपदा में अवसरः टैंकर का पानी बांटने के बजाय बेचा गया!

नगर की जनता का आरोप है कि जिन वार्डों में पानी की सप्लाई बंद थी, वहां नगर परिषद के टैंकरों को मुफ्त भेजने के बजाय अध्यक्ष के इशारे पर पानी बेचा गया। सरकारी संसाधनों पर पहला हक जनता का होता है, लेकिन यहां %अध्यक्ष राज% में पानी की बोली लगाई गई।

÷जब हमें जरूरत थी, तब अध्यक्ष साहब गायब थे। अब अपनी नाकामी छुपाने के लिए पैसे देकर झूठी वाहवाही वाली खबरें छपवा रहे हैं।÷ – आक्रोशित वार्डवासी

आंकड़ों में भेदभावः 60त्न आबादी को मिले महज 4 टैंकर

वार्ड नंबर 1, 2, 3, 4 और 5, जहां शहर की कुल जनसंख्या का लगभग 60त्न हिस्सा निवास करता है, वहां प्रशासन का सौतेला व्यवहार देखने को मिला। इन पांचों वार्डों में 2 दिनों के भीतर मात्र 4 टैंकर पानी भेजा गया। यह ऊंट के मुंह में जीरे के समान था, जबकि रसूखदारों के यहां टैंकरों की लाइन लगी रही।

बेशर्मी छुपाने के लिए %पेड न्यूज% का सहारा

अपनी किरकिरी होते देख और जनता के आक्रोश से बचने के लिए अब अध्यक्ष महोदय %मैनेजमेंट% में जुट गए हैं। सूत्रों की मानें तो अपने पक्ष में माहौल बनाने के लिए पैसे देकर खबरें छपवाई जा रही हैं। लेकिन धरातल पर सच्चाई कुछ और ही है–जनता अब इस बेशर्मी को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है और सरेआम इस कार्यप्रणाली को धिक्कार रही है।

विशेसर दफाई एवं बनगवां बस्ती के निवासियों ने नहीं देखा टैंकर

वैसे तो नगर परिषद अध्यक्ष टैंकर से जलापूर्ति के बड़े-बड़े दावे करते हैं लेकिन नगर परिषद बनगवां के अंतर्गत आने वाले विशेषर दफाई और बनगवां बस्ती तथा काली बस्ती जहां के लोगों ने आज तक नगर परिषद का टैंकर तक नहीं देखा है इसके बावजूद नगर परिषद अध्यक्ष कहते हैं कि हम पूरे क्षेत्र में पानी की पर्याप्त सप्लाई कर रहे हैं ।

मुख्य बिंदु जिसने जनता को किया आक्रोशितः 1.नदारद अध्यक्षः संकट के समय एक बार भी वार्डों का दौरा नहीं किया।

2.पानी का व्यापारः सरकारी टैंकरों से अवैध वसूली और पानी बेचने के आरोप।

3.विपक्ष और जनता का सवालः क्या जनता ने इसी दिन के लिए आपको चुना था?

जिलें कें उच्चाधिकारियों की लापरवाही सें 12 लाख की राशि का बंदरबाट

उपयंत्री मनोज शुक्ला के क्षेत्र में गुणवत्ता विहीन कार्य का बोलबाला

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

शहडोल। जनपद पंचायत जयसिंहनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत के पतेरिया टोला के मैर टोला विद्यालय की बाउंड्री बाल का निर्माण गुणवत्ता विहीन सामग्रियों से किया जा रहा है जिसकी लागत राशि 12 लाख रुपए है।वैसे तो जिले से लेकर जनपद पंचायत तक जवाबदार अधिकारी बैठे हुए हैं पर उनके द्वारा अपनी जवाबदारी किस अंदाज से निभाया जा रहा है यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है। बाउंड्री वॉल कें नाम पर किया जा रहा भ्रष्टाचार।

स्टीमेट कें बिना निर्माण कार्य

कहनें के लिए तो जनपद पंचायत जयसिंहनगर अंतर्गत जितने भी कार्य संपादित होते हैं उनके लिए एक एस्टीमेट तैयार किया जाता है जिसके आधार पर कार्य होना सुनिश्चित किया जाता है, किंतु मनोज शुक्ला जैसे उपयंत्री बिना एस्टीमेट के ही कार्य को अंजाम देने में माहिर होते हैं, तभी तो कार्यस्थल पर किसी प्रकार का स्टीमेंट का न मिलाना यह साफ जाहिर करता है कि इनके द्वारा किस प्रकार से कार्य में लापरवाही बरती जाती है। शायद वह यह नहीं चाहते कि किसी को भी उस काम के लागत राशि एवं उससे जुड़े अन्यत्र ब्यौरो के बारे में किसी को पता चले तभी तो कार्य स्थल स्टीमेट उपलब्ध नही होतें। जनपद पंचायत जयसिंहनगर अंतर्गत कब तक शासकीय राशि का लगातार दुरुपयोग होता रहेंगा। इन उपयंत्रियों के माध्यम सेआखिर इन पर कब लगेगी लगाम। कार्यस्थल पर ही नहीं बल्कि जब इनके क्षेत्रांतर्गत किसी कार्य का बिल लगवाया जाता है तो उसका भी जांच होना जरूरी है तभी तो दूध का दूध और पानी का पानी हो पाना मुनासिब होगा।

उपयंत्री और सचिव की मिली भगत

मनोज शुक्ला उपयंत्री जनपद पंचायत जयसिंहनगर द्वारा ईमानदारी का पिटारा बजाया जाता है पर उनके क्षेत्र में उनकी ईमानदारी इस कदर झलकती है कि इनके द्वारा संबंधित पंचायत के सचिव के साथ मिलकर गुणवत्ता विहीन कार्य को किस अंदाज से निर्माण कराते हैं इनके किसी एक काम का नहीं बल्कि जितने भी कार्य हुए हैं अगर उनकी जांच की जाए तो स्पष्ट होने में जरा भी समय नहीं लगेगा वैसे तो मनोज

शुक्ला जैसे अप यांत्रियों पर अधिकारियों की विशेष नजर होनी चाहिए पर क्या ऐसा है नहीं अधिकारी भी इनके ताल में ताल मिला रहे है इस बाउंड्री वाल के निर्माण कार्य पर अधिकारी कार्यवाही करेंगे या फिर उसका हिस्सा बनेंगे।

जिले के अधिकारी नहीं देते ध्यान

जिला पंचायत शहडोल में उच्च अधिकारी के होते हुए भी जनपद पंचायत जयसिंहनगर के क्षेत्र में घटिया निर्माण कार्य समाचार पत्रों में अपनी सुर्खियां बटोरने में कसर नहीं छोड़ते उसके बाद भी जिला पंचायत शहडोल के अधिकारियों को नहीं दिखता जब अधिकारी ही लापरवाह हो जाए तो क्षेत्र में घटिया निर्माण कार्य होना लाजमी है फिर चाहे वह पथतेरिया टोला, अमझोर या पहड़िया हो। जहां पर गुणवत्ता विहीन कार्य खबरों में अपनी अहमियत दिखाते नजर आ रहें हैं और जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी से भागते नजर आते हैं।

एसडीओ की भूमिका संदिग्ध

जनपद पंचायत जयसिंहनगर के एसडीओ का जवाब नहीं इनके द्वारा तो ज्यादातर समय क्षेत्र में बिताया जाता है उसके बाद भी गुणवत्ता विहीन कार्य क्षेत्र में संचालित है इनके क्षेत्र से लगातार गुणवत्ता विहीन कार्य की आवाज में गूंजती नजर आ जाती है जबकि एसडीओ जनपद पंचायत जयसिंहनगर से कार्य के साथ पोर्टल तक की बातों को मौखिक रूप से रखा गया। पर साहब उन पर ध्यान न देकर बल्कि क्षेत्र घूमते रहते हैं लग तो ऐसा रहा है कि साहब सिर्फ वाहन में तेल जलाने का काम करते हैं मगर उनके क्षेत्र में घटिया काम रुक ही नहीं रहा तो फिर क्षेत्र में भ्रमण का आडंबर क्यों एसडीओ साहब उपयंत्री के साथ मिलकर गुणवत्ता विहीन कार्य को अंजाम देने में जरा भी संकोच नहीं कर रहे। इस पर जिले के अधिकारियों को कड़ा रूख अपनाना चाहिए क्योंकि जिस राशि का दुरुपयोग किया जाता है वह प्रशासन का है।

भोपाल छात्रावास विवादः सुरक्षा और स्वतंत्रता को लेकर उग्र प्रदर्शन, डिप्टी कमिश्नर व कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

भोपाल। राजधानी के पंचशील नगर स्थित शासकीय अनुसूचित जाति महाविद्यालयीन कन्या छात्रावास में छात्राओं की सुरक्षा और अन्य समस्याओं को लेकर स्स्रद्ब सहित विभिन्न छात्र संगठनों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। छात्र प्रतिनिधियों को छात्रावास में प्रवेश से रोके जाने पर माहौल तनावपूर्ण हो गया।

सुरक्षा को लेकर गंभीर आरोप

प्रदर्शन कर रहे संगठनों – SFI, आजक्स (SSYSU) व अन्य – का आरोप है कि छात्रावास में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कमजोर है।

संगठनों के अनुसार, बाहरी लोगों द्वारा खिड़कियों के कांच तोड़ने जैसी घटनाएं सामने आई हैं, जिससे छात्राओं में भय का माहौल बना हुआ है।

आंदोलन के दिन छात्राओं को रोके जाने का आरोप

संगठनों का कहना है कि सामान्य दिनों में छात्राओं को कॉलेज जाने से नहीं रोका जाता, लेकिन प्रदर्शन वाले दिन छात्रावास प्रबंधन द्वारा गेट पर ताले लगा दिए गए, ताकि छात्राएं बाहर न आ सकें और आंदोलन में शामिल न हो पाएं।

इसके अलावा, छात्राओं को आपस में बैठक, परिचर्चा और अपनी समस्याओं पर खुलकर चर्चा करने से भी रोके जाने के आरोप लगाए गए हैं।

और इसके अलावा छात्रावासों में पोस्ट ग्रेजुएशन छात्र-छात्राओं एडमिशन बंद कर दिए गए है ।

डिप्टी कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

प्रदर्शन के दौरान आदिम जाति कल्याण विभाग के डिप्टी कमिश्नर पी.के. पांडेय को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन की प्रतिलिपि संबंधित अधिकारियों और विभागों को भी भेजी गई।

इसके उपरांत प्रतिनिधिमंडल भोपाल स्थित कलेक्टर कार्यालय पहुंचा, जहां कलेक्टर महोदय से चर्चा कर उन्हें ज्ञापन प्रस्तुत किया गया और छात्रावास की समस्याओं से अवगत कराया गया।

प्रमुख मांगें: छात्र संगठनों ने प्रशासन के सामने निम्नलिखित मांगें रखीं–

* वार्डन की तत्काल बर्खास्तगी– छात्राओं के साथ अभद्र व्यवहार और मानसिक प्रताड़ना के आरोपों के चलते वार्डन को पद से हटाया जाए।
* तानाशाही पर रोक– छात्राओं को बैठक, परिचर्चा, सामूहिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने की स्वतंत्रता दी जाए।
* सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए– परिसर में पर्याप्त लाइट, CCTV कैमरे लगाए जाएं और महिला कर्मचारियों की नियुक्ति की जाए।
* बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित हों– स्वच्छ पेयजल, नियमित बिजली आपूर्ति तथा साफ बिस्तर और कंबलों की व्यवस्था की जाए।
* स्वास्थ्य एवं स्वच्छता– मासिक धर्म स्वच्छता से जुड़ी सुविधाएं और 24 घंटे आपातकालीन चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराई जाए।
* भोजन की गुणवत्ता में सुधार– पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए।

प्रदर्शन में SFI प्रतिनिधि मंडल के दीपक पासवान, लक्ष्य भारतीय, सोनू नौनेरिया, अमन चौहान , लवकुश,आनंद जाटव सहित अन्य छात्र प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल रहे और आंदोलन को समर्थन दिया।

? बड़े आंदोलन की चेतावनी

छात्र संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्याओं का समाधान नहीं किया गया और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो व्यापक स्तर पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होंगी ।

भारत रत्न बाबा साहेब डॉ अंबेडकर जी

जन्म दिवस है आज बाबा साहेब का आओ मिल सब स्मरण करें बाबा साहेब का । 14 अप्रैल 1891 ई.को मध्य प्रदेश महू के पवित्र भूमि पर अछूत जाति महार में जन्म हुआ ब्रिटिश सेना में सूबेदार थे पिता रामजी मोलाजी सकपाल।

भीमाबाई मुरबादकर की कोख से जन्मे वह रत्न चौदहवीं संतान। प्रारंभिक शिक्षा हुई इनकी दापोली और सतारा में। गजब उत्पीड़न झेल रहे थे वह उन दिनों शिक्षा पाने में । छात्र,शिक्षक क्या कर्मचारी क्या अधिकारी ? संपर्क होना तो दूर बात थी सभी छुआते देख उनकी परछाई से।

जातिवाद का जहर घुला था ऊंच नीच का भेदभाव था पशुओं को पूजा जाता था,मल मूत्र की पूजा होती थी। यह कैसा पाखंड यहां पर जब मानव-मानव से छुआ जाता था। धिक्कार उन्हें जो वर्ण बांटकर जाति को श्रेष्ठ और शुद्र बनाई थी। हार न मानी इन यातनाओं से,पढ़ाई रखी अपनी जारी थी। तड़प वो जाते पीने को पानी, तब ऊपर से उन पर धार गिराई जाती थी। कक्षा में भी जगह न मिलती बैठने को,कोने व बाहर में वो जगह बनाई थी। जीवट बालक था संकल्प न हारा सिर्फ ध्येय बनाई पढ़ाई थी। मैट्रिक किए 1906 ईस्वी में मुंबई एलफिस्टन से। जिस पर कृपा बनी बड़ौदा नरेश सयाजी राव गायकवाड की। उच्च शिक्षा के लिए सहायता मिली फेलोशिप की। मुंबई विश्वविद्यालय से 1912 ईस्वी में वह जब बी. ए. पास किए। मनाही थी अछूतों को संस्कृत पढ़ने की, तब वो फारसी से स्नातक पास किए । फिर बनी कृपा जब गायकवाड की,तब वो पढ़ने विदेश गए। 1915 ईस्वी में कोलंबिया विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में रू. पास किए । 1917 में पीएचडी किए अर्थशास्त्र से 9 भाषाओं के जानकार, वह 64 विषयों

के ज्ञाता बने। लोकप्रिय भारतीय महामानव अर्थशास्त्री राजनीतिज्ञ समाज सुधारक और विधि वेता बने। कम उम्र में विवाह हुआ 1906 में उनका रमाबाई से । सामाजिक जीवन को जीये,पर समझौता न किए वो पढ़ाई से। 32 डिग्रीयां उनके पास थी,जिनमें एक दुर्लभ डॉक्टर ऑल साइंस थी। लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स से किए वह दुर्लभ डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त। भारत ही नहीं विश्व के प्रथम व एक मात्र हैं व्यक्ति जो इतने हुए विख्यात।

पूरी हुई पढ़ाई जब वो लौटे भारत।
किये नौकरी बड़ौदा में मिला सेना सचिव का पद। गई नहीं थी छुआछूत की लत
पार हो रही थी दुर्भावनाओं की सारी हद। हाथों हाथ नहीं चपरासी से लेकर कर्मचारी तक, फाइलें भी फेंक कर दी जाती थी उन तक। उपकार था बड़ौदा नरेश का, इकरार था बाबा साहेब का। बाध्य होकर इस्तीफा दिया,संकल्प लिया सामाजिक क्रांति का। देख दुर्दशा भारत में शोषण, उत्पीड़न,अत्याचार,पाखंड,आडंबर।

अस्पृश्यता,भेदभाव, ऊंच-नीच व्यवस्था जातिवादी का। शुरू हुई विचार समता ,स्वतंत्रता,न्याय की खातिर जनजागृति लाने समतावादी का। यह खाई कहां से बनती है कौन है जन्मदाता इस व्यवस्था वादी का। तब 1927 ईस्वी में मनुस्मृति दहन हुआ, विरोध हुआ मनुवादी का।

पशुता से भी बदतर जीवन, हाय कैसी उसकी जिंदगानी थी। गले में हांडी,कमर में झाड़ू,कुएं, तालाब का पानी पीना भी पाबंदी थी। 1928 ईस्वी में महाड सत्याग्रह चावदार तालाब में पानी पीने का हक अधिकार दिलाया। 2 मार्च 1930 ईस्वी को 15000 समर्थकों के साथ कालाराम मंदिर में अछूतों को प्रवेश दिलाया।

1930 ईस्वी के 9 अप्रैल को रामनवमी का रथ खींचने जब दलित सब हुए तैयार। दलितों के हाथों ना हो रथ की खिंचाई, इसलिए उस दिन रथ को दिए गायब कर। गांधी की थी कुछ ऐसी ही नीति, उसने किया मन में विचार। हितैषी बन वंचितों के %हरिजन% शब्द का खूब किया प्रचार। बात समझ गए अंबेडकर जी , जब तक मिटती नहीं जाति-वर्ण व्यवस्था। मिले नहीं जब तक समता,स्वतंत्रता का अधिकार, फिर यह कैसा दलित हिंदू का वास्ता।

करोड़ों का पैकेज छोड़ श्रेयांश बने IAS भोपाल एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

भोपाल - प्रतिभा और दृढ़ संकल्प जब मिल जाते हैं, तो सफलता कदम चूमती है। इसका जीवंत उदाहरण पेश किया है श्रेयांश बड़ोदिया ने, जिन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित होकर न केवल अपने परिवार, बल्कि संपूर्ण समाज को गौरवान्वित किया है।

गुरुवार शाम 5:00 बजे जब श्रेयांश विमान से भोपाल राजा भोज एयरपोर्ट पहुंचे, तो वहां का नजारा उत्सव जैसा था। ढोल-धमाकों और पुष्प मालाओं के साथ उनका भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया।

2.5 करोड़ का पैकेज ठुकराकर चुनी जनसेवा

श्रेयांश की यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि उन्होंने प्रशासनिक सेवा के जरिए देश की सेवा करने के लिए ढाई करोड़ रुपये का वार्षिक पैकेज ठुकरा दिया। सुख-

सुविधाओं वाली कॉर्पोरेट लाइफ को छोड़कर उन्होंने कठिन परिश्रम किया और प्रथम प्रयास में ही यूपीएससी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता हासिल कर युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बन गए।

अपनों ने बाहें फैलाकर किया स्वागत

एयरपोर्ट पर श्रेयांश के स्वागत के लिए उनके परिवार के सदस्य और शुभचिंतक भारी संख्या में उपस्थित थे। स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से-

* पिता एडवोकेट श्री जी.डी. बड़ोदिया एवं श्रीमती जशोमती बड़ोदिया
* श्री टीकाराम मोहनिया एवं श्रीमती उर्मिला मोहनिया
* श्री राजेश मेहरा, श्री देवी प्रसाद मेहरा एवं श्री गिरीश चंद्रवंशी
* श्री डी.एल. बिलैया एवं श्रीमती बिलैया
* श्री गोपाल सोनिया एवं श्रीमती सोनिया

उपस्थित परिजनों ने श्रेयांश को पुष्प गुच्छ भेंट किए और मिठाई खिलाकर अपनी खुशी जाहिर की।

युवाओं के लिए बने रोल मॉडल

इस अवसर पर पिता एडवोकेट जी.डी. बड़ोदिया ने कहा कि श्रेयांश ने साबित कर दिया है कि यदि लक्ष्य ऊंचा हो और इरादे नेक, तो कोई भी मंजिल पाना असंभव नहीं है। श्रेयांश की इस सफलता से समाज के युवाओं में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

14 अप्रैल को बरेली में अंबेडकर जयंती पर भव्य आयोजन, शोभा यात्रा और सम्मान समारोह आयोजित

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

बरेली। रायसेन जिले के बरेली नगर में 14 अप्रैल को भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन सामाजिक संगठनों के तत्वावधान में हर वर्ष की तरह इस बार भी बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया जाएगा। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में संविधान निर्माता, महान समाज सुधारक और विचारक डॉ. अंबेडकर की 135वीं जयंती को विशेष रूप से समर्पित किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में शिक्षा, एकता और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11 बजे शोभा यात्रा से होगी, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन भाग लेंगे। इसके बाद दोपहर में अतिथियों का सम्मान एवं संबोधन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। शाम

को सांस्कृतिक गतिविधियों एवं समापन समारोह के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

इस अवसर पर नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है। आयोजकों ने सभी समाजजनों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इसे सफल बनाने की अपील की है।

कामाख्या मा पसु बलि के,
विधान हे सैंकड़ों साल के ।
मैडम जी हा चॉउर चबा के,
बोकरा सौंपिस हलाल के।।
बोकरा ला भात खवाइस कहिके,
अखबार हा सच छुपावत हे।
कामाख्या जाके खुदे देख लो,
खून के नदिया बोहावत हे।।
लक्ष्मी नारायण कुम्भकार "सचेत" दुर्ग (छ0ग0)

हर्षोल्लास सें मनाया गया माननीय सांसद महोदय का अवतरण दिवस

राजू राय

शहडोल। माननीय सांसद महोदय शहडोल श्रीमती हिमाद्री सिंह कें अवतरण दिवस कें उपलक्ष्य में आज दिनांक 9 अप्रैल 2026 कों स्नेहा टीवीएस शोरूम जयसिंहनगर में रावेंद्र शर्मा सांसद प्रतिनिधि, अरुण गौतम पूर्व जिला उपाध्यक्ष भाजपा, रामनारायण पाण्डेय पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा जयसिंहनगर कीं अगुवाई में केक काटकर बडें हर्षोल्लास सें मनाया गया एवं माननीय सांसद महोदय शहडोल श्रीमती हिमाद्री सिंह की उपब्धियों कें बारें में विस्तार सें चर्चा कीं

गई इस अवसर पर उपस्थित रहें। रावेंद्र शर्मा सांसद प्रतिनिधित्व जयसिंहनगर, अरुण गौतम पूर्व जिला उपाध्यक्ष भाजपा, रामनारायण पांडेय पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा जयसिंहनगर,शेषमणी पाल युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष जयसिंहनगर,उमेश गुप्ता मंडल उपाध्यक्ष जयसिंहनगर,सीतेंद्र पयासी कें साथ भाजपा कें पदाधिकारी व कार्य कर्ता।

नगरपालिका के उपयंत्री व सहायक राजस्व निरीक्षक को कलेक्टर ने किया निलंबित

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

कलेक्टर हर्षल पंचोली द्वारा नगरपालिका परिषद कोतमा की उपयंत्री (सिविल) वंदना अवस्थी व सहायक राजस्व निरीक्षक योगेंद्रनाथ तिवारी को शासकीय कार्यों में गंभीर अनुशासनहीनता एवं लापरवाही के आरोपों के परिप्रेक्ष्य में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। विगत दिनो वार्ड क्रमांक-05, बस स्टैंड के समीप नगरपालिका परिषद कोतमा क्षेत्र अंतर्गत स्थित एक तीन मंजिला इमारत (अग्रवाल लॉज) अचानक धराशायी हो गयी, जिसके मलवे के नीचे दबने से 3 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई तथा तीन अन्य व्यक्ति घायल हुए। उक्त घटना के संदर्भ में यह तथ्य संज्ञान में आया है कि उक्त इमारत के समीप अवैध खनन से एक बेसमेंट का निर्माण किया जा रहा था। बेसमेंट के निर्माण हेतु एक गहरा गड्ढा खोदा गया था और यह गड्ढा लगभग 15 दिन पूर्व से ही मौजूद था। शासन द्वारा जारी नगर पालिका परिषद कोतमा हेतु वंदना अवस्थी व योगेंद्रनाथ तिवारी को अनाधिकृत निर्माण के संबंध में त्वरित कार्यवाही की जानी थी, परन्तु उनके द्वारा अग्रवाल लॉज के बगल मे अनाधिकृत रूप से गड्ढा खोदे जाने के संबंध में कोई भी समुचित कार्यवाही नही की गयी। यह कृत्य अनुशासनहीनता एवं कदाचार की श्रेणी मे होने से दण्डनीय है। उपयंत्री वंदना अवस्थी व सहायक राजस्व निरीक्षक योगेंद्रनाथ तिवारी को मुख्यालय कलेक्टर कार्यालय जिला शहरी विकास अभिकरण अनूपपुर नियत किया गया है।

सहारा हॉस्पिटल की ओर से 9 अप्रैल को मुरार में निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर संपन्न अगला कैंप 12 अप्रैल को चीनोर में लगेगा

सहारा हॉस्पिटल में मरीज अटेंडर और बाहर से आने वाले मरीजों को निःशुल्क भोजन की व्यवस्था

रियायती दरों पर इलाज और ऑपरेशन का लाभ उठाएं - डॉ ए एस भल्ला

ग्वालियर 9 अप्रैल अंचल की जनता को रियायती दरों पर इलाज और ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सहारा हॉस्पिटल सोफिया कॉलेज केंपस महलगांव सिटी सेंटर ग्वालियर के संस्थापक संचालक सुप्रसिद्ध वरिष्ठ chikitsak डॉ एस भल्ला नाक कान गला रोग विशेषज्ञ के मार्गदर्शन और उनकी देखरेख में 9 अप्रैल 2026 को कंपनी बाग रोड तिकोनिया जाटव धर्मशाला में निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श शिविर लगाया गया जिसमें 192 मरीज शिविर की ओपीडी में शिविर का लाभ उठाने के लिए आए जिन्मे से गंभीर बीमारी

के मरीज 22 ने अपना सहारा हॉस्पिटल में आने के लिए पंजीयन कराया तथा मरीजों ने जिनकी आंखों में मोतियाबिंद था मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने के लिए पंजीयन कराया

अब अगला शिविर 12 अप्रैल 2026 को समय सुबह 10ः00 बजे से दोपहर 2ः00 बजे तक राज वाटिका जय गुरुदेव मार्केट सेंट्रल बैंक के पास शीतला माता रोड चीनोर ग्वालियर में लगेगा ज्ञात रहे कि सहारा हॉस्पिटल सोफिया कॉलेज कैंपस सिटी सेंटर ग्वालियर में रियायती दरों पर इलाज और ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध है इतना ही नहीं अस्पताल में बाहर से आने वाले मरीजों को अस्पताल में भर्ती मरीजों को तथा उनके अटेंडरों को दोनों समय निःशुल्क भोजन भी उपलब्ध कराया जाता है अस्पताल में एंबुलेंस की व्यवस्था है आधुनिक ट्रामा सेंटर है तथा ओटी की भी सुविधा है बरसों से अस्पताल में एम एल सी की व्यवस्था है एक ही छत के नीचे सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज तथा जांच की सुविधा भी है चीनोर एवं चीनोर के आसपास के ग्रामीणों की जनता चीनोर में लगने वाले शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर लाभ उठाएं

आशीर्वाद समारोह में दिखाई पड़ा परंपरा और आधुनिकता का संगम

मथुरा अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज में आयोजित आशीर्वाद समारोह में परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रीमां के ध्यान से आरंभ हुए इस कार्यक्रम में छात्राओं ने अश्रुपूरित नेत्रों और भावनाओं की गहराई से अपने प्रिय कॉलेज के प्रति, शिक्षकों और मित्रों के साथ अपने अनुभवों , विभिन्न कार्यक्रमों की सुखद स्मृतियां के साथ अपने उदगार व्यक्त किए।

डॉ मांडवी राठौर के निर्देशन में हुए इस कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ अनिल वाजपेयी ने छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामना देते हुए देश की राष्ट्रीय चेतना से जुड़ने का , ए आई से संभावित हानि-लाभों एवं भविष्य की चुनौतियों का जिक्र किया।

प्राचीन गुरू शिष्य परंपरा का अनुपालन करते हुए अनेक छात्राओं ने अपने गुरुजनों का चरण स्पर्श किया एवं उन्हें भेंट प्रदान करते हुए अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में छात्राओं ने गीत संगीत,नृत्य और काव्य पर आधारित अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया।

इस अवसर पर आयोजित हुए फेयरवेल कार्यक्रम में 28 छात्राओं के मध्य अपने सौंदर्य ,ज्ञान और जीवन के उद्देश्यों के आधार पर मिस फेयरवैल का खिताब अनुष्का सिंह ने जीता।

रनर अप निशा सिंह रहीं। इस दौरान परंपरागत भारतीय परिधान साड़ी में रैंप वॉक करते हुए छात्राओं का शालीन सौंदर्य देखते ही बनता था। कार्यक्रम का संचालन शालिनी शर्मा ने किया एवं व्यवस्थापन प्रवक्ता मोनिका सिंह ,ज्योति त्रिपाठी, दामोदर घोष, चंचल अग्रवाल, उपेंद्र तिवारी ,

लेफ्टिनेंट डॉ मनोरमा कौशिक ने किया।निर्णायक डा आरती पाठक, नूतन देहर, लेफ्टिनेंट डॉ मनोरमा कौशिक थे। कार्यक्रम के बाद छात्राओं ने चाट पार्टी का आनंद उठाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में जूनियर छात्राओं ने सीनियर्स को बेस्ट लीडर, मिस ब्यूटी, बेस्ट फोटोग्राफर, गुड गॉसिपर, वेल ड्रेस,वेल डिसिप्लिन आदि नाम से टैग दिए। कार्यक्रम में सीनियर्स गर्ल्स में गरिमा पाराशर ,तनु , कीर्ति, सोनिया ,अंजली सिंह, रितु , वंदना, दिव्यांशी, धनिष्ठा, मुस्कान, रिद्धि, सिद्धि, उन्नति ,मनीषा, निकिता, सुरभि, नेहा ,यति एवं जूनियर छात्राओं में पायल, भावना ,महक, वनिष्का ,प्रार्थना, मोहिनी, अनुष्का की भूमिका प्रमुख रही।

भोपाल में नृत्य नाटिका तू ही शक्ति तू ही नारी का भव्य मंचन

भोपाल।

अंतरंग कल्चरल एवं वेलफेयर सोसाइटी, भोपाल द्वारा आनंद धाम परिसर में नृत्य नाटिका ÷तू ही शक्ति तू ही नारी÷ का सफल मंचन किया गया। इस प्रस्तुति का निर्देशन सीमा मोरे ने किया, जबकि सह-निर्देशन संघ रत्ना बनकर का रहा। नाटिका में दिव्या जाटव, काव्या बावसकर, खुशबू सोनी, मान्यता मिश्रा, यज्ञ शुक्ला, मयंक बंसल, लकी डावर और अनुज जोशी ने प्रभावशाली अभिनय कर दर्शकों का मन मोह लिया। इस नृत्य नाटिका में नवदुर्गा शक्ति एवं शिव स्तुति के माध्यम से माँ दुर्गा के नौ स्वरूप–माँ शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री–की महिमा का सुंदर वर्णन प्रस्तुत किया गया। प्रत्येक रूप के माध्यम से साहस, शक्ति, ज्ञान और सकारात्मकता का संदेश दिया गया। प्रस्तुति के जरिए यह बताया गया कि माँ दुर्गा के ये स्वरूप हमें जीवन की हर चुनौती का सामना करने की प्रेरणा देते हैं और हमारी आंतरिक शक्ति को पहचानने का संदेश देते हैं। नाटिका ने दर्शकों को भक्ति, ऊर्जा और आत्मविश्वास से भर दिया। कार्यक्रम के अंत में माँ दुर्गा से प्रार्थना की गई कि वे सभी को अपनी अनंत शक्ति प्रदान करें और जीवन में सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा दें। यह नाटिका अपने विषय और उद्देश्य को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करते हुए दर्शकों के उत्साह को बढ़ाने में सफल रही।

न्यूनतम वेतन वृद्धि लागू ना होने से मध्यप्रदेश के कच्चे श्रमिकों सहित श्रमिक संगठनों में नाराजगी

क्या मध्यप्रदेश सरकार की नजर में इन श्रमिकों की कोई अहमियत नहीं

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर(मध्यप्रदेश) । मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिलों एवं ग्रामों के कोने-कोने में बीते पिछले वर्ष से यह मुद्दा तेजी से सुनाई में आ रहा था कि दैनिक वेतनभोगी, आउटसोर्स, मस्टर व अंशकालीन कर्मचारियों को मध्यप्रदेश सरकार अपने सभी शासकीय विभागों में या जो भी प्राइवेट कंपनियां हैं, समस्त संस्थानों, विभागों में समान कार्य का समान वेतन देने जा रही है। इस तरह का समाचार सम्पूर्ण प्रदेश में आग की तरह फैल चुकी थी कि 1 अप्रैल 2026 से केन्द्र के समान वेतन देश के प्रत्येक राज्य में हर जिले के सभी विभागों में कार्यरत दैनिक वेतनभोगी आउटसोर्स मस्टर व अंशकालीन कर्मचारियों को केंद्र शासन द्वारा तय माप दण्ड के अनुसार मध्यप्रदेश की राज्य सरकार भी देगी। यहां तक ऐसा भी सुनने को मिल रहा था कि केंद्र सरकार जो भी न्यूनतम वेतनमान तय करेगी, देश की प्रत्येक राज्य सरकारें अपने यहां उससे कम वेतन नहीं दे पाएंगे, भले ही राज्य सरकारें तय वेतनमान से अधिक वेतन दें, किन्तु उससे कम नहीं दे सकती हैं। इस विषय को लेकर केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडवीया जी ने भी लोकसभा सदन के पटल पर बड़े ही बेबाकी के साथ देश के सम्पूर्ण राज्यों में एक समान वेतन की बात सबके समक्ष रखा था। मंहगाई को देखते हुए सरकार के वेतन वृद्धि की इस खबर ने कर्मचारियों के बीच कोलाहल मचा दिया है। जिससे सभी तरह के कच्चे कर्मचारियों में भी अत्यधिक उत्सुकता व खुशी का माहौल छाया हुआ नजर आते दिखाई पड़ा। कि अब मौजूदा मध्यप्रदेश की मोहन यादव की सरकार कच्चे कर्मचारियों का भी भविष्य सुरक्षित करने एवं उन्हें सशक्त बनाने की तैयारी में है, जो जहां तक जल्द ही अप्रैल माह से शायद तक देखने व सुनने को मिल सकता है।

केन्द्रीय मंत्री द्वारा लोकसभा सदन में केन्द्र समान न्यूनतम वेतन देने देश के सभी राज्यों में दिए जाने की बात रखने पश्चात् भी मध्यप्रदेश में नहीं दिखा असर- वहीं इस विषय को लेकर भी कर्मचारियों के बीच चर्चा बनी हुई है कि मध्यप्रदेश सरकार ने अपने शासकीय विभागों में 10, 12 तरह की कैटेगरी को समाप्त कर नये श्रम कानून के तहत बदलाव करते हुए अब शायद लगभग 5 तरह की कैटेगरी बना दिया गया है, जिससे पारदर्शिता बन पाए। वहीं मध्यप्रदेश की कई संगठनों के द्वारा इन कर्मचारियों की पीड़ा को समझते हुए सभी संगठनों ने अपने ङ्क अपने स्तर से सरकार तक समस्त कच्चे कर्मचारियों की व्यथा को पहुंचाने का कार्य ज्ञापन पत्र के माध्यम से सभी विभागों एवं संस्थानों में कार्यरत तमाम तरह के कर्मियों के लिए विभिन्न प्रकार की मांग किया गया। जिसमें सबसे

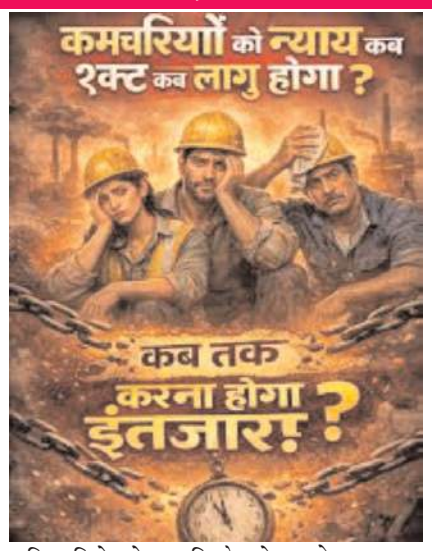

अधिक विशेष वेतन वृद्धि के मुद्दे पर जोर दिया गया है ताकि इन कर्मचारियों की स्थिति भी बढ़ते मंहगाई के दौर में बेहतर हो पाए। सोशल मीडिया में भी प्रतिदिन वेतन वृद्धि की खबरों ने मध्यप्रदेश के कच्चे कर्मचारियों में जिज्ञासा व उम्मीदें और बढ़ा दिया है। जिस कारण सभी विभागों के श्रमिक सरकार के आदेश की ओर टकटकी लगाए हुए थे कि शायद माह अप्रैल से मध्यप्रदेश के मुखिया मोहन यादव जी जिस प्रकार मध्यप्रदेश में सरकार बनते ही कच्चे श्रमिकों के वेतन में लगभग 2400 रु. का इजाफा करते हुए उन्हें राहत देने का कार्य को किया गया था। वैसे ही इस बार भी माह 1 अप्रैल 2026 को कच्चे कर्मचारियों को बड़ी सौगात देगी। परन्तु मध्यप्रदेश सरकार ने जो न्यूनतम वेतन वृद्धि अप्रैल माह में 9 रू. दर की बढ़ोत्तरी श्रमिकों के वेतन में किया है, इससे श्रमिकों की उम्मीदों को बड़ी ठेस पहुंची है। जिस कारण मध्यप्रदेश के कच्चे श्रमिकों सहित श्रमिक संगठनों में भी सरकार के इस फैसले को लेकर बेहद नाराजगी व्याप्त है। सभी का यह मानना है कि मध्यप्रदेश सरकार का यह फैसला कच्चे श्रमिकों के बेहतरी के लिए नहीं है। क्योंकि आज के बढ़ते मंहगाई के दौर में श्रमिकों के लिए जीवन निर्वाह कर पाना बढ़ाए गए वेतन वृद्धि के अनुसार ठीक नहीं होगा। इसलिए मध्यप्रदेश सरकार से न्याय की गुहार लगाते हुए मध्यप्रदेश के सभी श्रमिकों ने केन्द्र के तुल्य समान कार्य का समान वेतन किए जाने की मांग किया है ताकि श्रमिकों सहित उनके परिवार का भी भला हो पाए। केन्द्र समान न्यूनतम वेतन कच्चे श्रमिकों के लिए बना सपना क्या मध्यप्रदेश सरकार कच्चे श्रमिकों के साथ नहीं वहीं अब श्रमिकों एवं श्रमिक संगठनों का मानना है कि लोकसभा सदन के पटल पर भी इस विषय की चर्चा हो चुकी है कि केन्द्र के समान देश के सभी राज्यों में समान कार्य का समान वेतन दिया जाना है। कई राज्यों ने इस बात का अनुसरण करते हुए केन्द्र समान न्यूनतम वेतनमान अपने राज्यों में इसको लागू करने के दिशा में शायद तक कदम भी बढ़ा चुके है। लेकिन मध्यप्रदेश सरकार ने केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडवीया जी के द्वारा लोकसभा सदन के पटल पर रखी गई सभी राज्यों में केन्द्र समान वेतन की बात को नकारते हुए 1948 अधिनियम के अनुसार 1 अप्रैल 2026 से वेतन वृद्धि किया है। अब ऐसे में सवाल उठता है कि क्या मध्यप्रदेश सरकार को केन्द्र सरकार द्वारा जारी केन्द्र के समान न्यूनतम वेतन प्रावधानों से क्या कोई लेना-देना नहीं या फिर मध्यप्रदेश के दैनिक वेतनभोगी आउटसोर्स मस्टर व अंशकालीन श्रमिकों का भविष्य सुरक्षित करना ही नहीं चाहते। इससे एक तौर पर यह भी प्रतीत होता है कि केन्द्र सरकार कुछ भी राज्य सरकारों को आदेशित करे लेकिन मध्यप्रदेश सरकार उसका पालन अपने प्रदेश में नहीं करेगी। देखा जाए तो गौर करने का विषय यह भी है कि अब मध्यप्रदेश के कच्चे कर्मचारियों के भविष्य का क्या होगा। ऐसे में देखना होगा कि क्या कोई मजदूर संगठन श्रमिकों को उचित वेतन का हक दिलाए जाने की दिशा में कच्चे कर्मचारियों का साथ देते हुए आगे मध्यप्रदेश सरकार से बातचीत कर लाभ दिला पाने में सफल हो पाएंगे या फिर केन्द्र समान न्यूनतम वेतन कच्चे श्रमिकों के लिए सिर्फ सपना बनकर रह जाएगा।

भारतीय जन नाट्य संघ का तीन दिवसीय दसवां राज्य सम्मेलन सम्पन्न, सदाचार के तावीज़ से परसाई के गूंजे बोल

अभिनेता राजेंद्र गुप्ता ने जनकवि धूमिल की कविता पटकथा का एकल का सफल मंचन

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

वैचारिक रूप से जनप्रतिबद्ध कला और जन संस्कृति का संरक्षक और संवाहक भारतीय जन नाट्य संघ का मध्य प्रदेश का दसवां राज्य सम्मेलन छत्तीसगढ़ की सीमा के निकट स्थित अनूपपुर के बलराज साहनी सभागृह में संपन्न हुआ। प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आये कलाकारों ने, देश-दुनिया के मौजूदा हालात पर गंभीरता से चिंतन-मनन किया और नाट्य विधा की विभिन्न प्रस्तुतियाँ पेश कीं। आयोजन में इप्टा इंदौर इकाई द्वारा हरिशंकर परसाई की कहानी पर आधारित ÷सदाचार का तावीज़÷ की नाट्य प्रस्तुति ने दर्शकों को ठहाके लगाने के साथ-साथ सोचने पर विवश कर दिया। यही परसाईजी की लेखनी की विशेषता भी थी।

सम्मेलन में अभिनेता राजेंद्र गुप्ता ने जनकवि धूमिल की कविता ÷पटकथा÷ का एकल मंचन किया। प्रयागराज

(इलाहाबाद) की समानांतर संस्था ने ÷असमंजस बाबू÷, इप्टा लखनऊ के कलाकारों ने स्वतंत्रता संग्राम के 100 वर्षों की अवधि को समेटे हुए क्रांतिकारी अशफाक उल्ला की ÷दास्तान-ए-अशफाक÷ को किस्सागोई से तथा विवेचना इप्टा जबलपुर ने ÷72 मील÷ नाटक के माध्यम से हमारे समाज की विसंगतियों पर चोट की और दर्शकों का मन मोह लिया।

राज्य सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए वरिष्ठ रंगकर्मी और इप्टा के राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष राकेश वेदा (लखनऊ) ने कहा कि वर्तमान समय विश्व के लिए उलझन भरा है। लेखक, रंगकर्मी, पेंटर अपने-अपने माध्यमों से इसे अभिव्यक्त कर रहे हैं। प्रगतिशील लेखक संघ के राज्य सचिव सत्यम पांडे (भोपाल) ने कहा कि तमाम चुनौतियों के बावजूद यह सम्मेलन एक उपलब्धि है। धर्म के नाम पर राजनीति विस्तारित हो रही है। खगोल विज्ञानी अमिताभ पांडे के अनुसार संस्कृति, प्रकृति और समाज के संबंधों को निर्धारित करती है। मनुष्य ब्रह्मांड में अपनी औक़ात नहीं समझ पा रहा है, यह उसकी सबसे बड़ी कमजोरी है। सम्मेलन में प्रतिनिधियों द्वारा विभिन्न प्रस्ताव रखे गए, जिन्हें सर्वानुमति से पारित किया गया। सम्मेलन के संगठन सत्र में महासचिव शिवेंद्र शुक्ला ने अपने कार्यकाल की रिपोर्ट पेश की। उस रिपोर्ट पर विभिन्न इकाइयों से आए प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। आगामी वर्षों के लिए कार्यकारिणी का सर्वानुमति से गठन किया गया। संरक्षक मंडल में हिमांशु राय, डॉक्टर विद्या प्रकाश, विजय नामदेव, अध्यक्ष मंडल में विनीत तिवारी, अनिल दुबे, सीमा राजोरिया, हरनाम सिंह, पंकज दीक्षित, विजेंद्र सोनी, अध्यक्ष हरिओम राजोरिया, महासचिव शिवेंद्र शुक्ला, कोषाध्यक्ष नीरज खरे, सचिव मंडल में अभिषेक अंशु, सारिका श्रीवास्तव, हूरबानो सैफी, गुलरेज़ खान, आयुष सोनी, कार्यकारिणी में रामदुलारी शर्मा, पल्लविका पटेल, आदित्य रुसिया, अफरोज़ खान, प्रमोद बागड़ी, मुकेश बिजौले, अशोक दुबे, सचिन वर्मा, बद्रीश पांडे, योगेश कुशवाहा को निर्वाचित घोषित किया गया। सम्मेलन में कलाकारों ने विभिन्न अवसरों पर जनगीतों की प्रस्तुति दी। कार्टून और पोस्टर प्रदर्शनी लगाई गई। सम्मेलन के प्रारंभ में आयोजन समिति की अध्यक्ष पल्लविका पटेल, महासचिव लक्ष्मी खेड़िया ने अतिथियों का स्वागत किया। श्रम संगठन एटक के एस.एस. मौर्य के शुभकामना संदेशों का वाचन कोषाध्यक्ष श्रद्धा सोनी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विजेंद्र सोनी, गिरीश पटेल, आयुष सोनी, बेथल हायर सेकेंडरी विद्यालय के संचालक नोवेल की सहभागिता विशेष रूप से रही।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड, तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** : नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)